



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

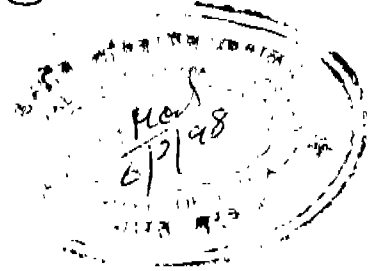
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 702]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 15, 1997/अग्रहायण 24, 1919

No. 702]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 15, 1997/AGRAHAYANA 24, 1919

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

शुद्धि-पत्र

मुम्बई, 15 दिसम्बर, 1997

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(मर्चेंट बैंककार) संशोधन विनियम, 1997

का.आ. 869(अ).— का.आ. सं. 837(अ) के तारीख 9-12-97 के भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेंट बैंककार) संशोधन विनियम, 1997 में निम्नलिखित को निम्नानुसार पढ़ा जाए :

1. पैरा 2(छ) में, नये विनियम 13क में, शब्दों "वित्तीय संस्था" को "लोक वित्तीय संस्था" के रूप में पढ़ा जाएगा।
2. पैरा 2(छ) (i) में, प्ररूप ख में, अंकों "*/II*/III*/IV*" को "*/II*/III*/IV*" के रूप में ही पढ़ा जाएगा।

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/2248/12/97]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

CORRIGENDUM

Mumbai, the 15th December, 1997

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (MERCHANT BANKERS)

AMENDMENT REGULATIONS, 1997

S.O. 869(E).— In Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997 published in Gazette of India, Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 9-12-97 vide S.O. No. 837(E) the following be read as under :

1. In para 2(e), in new regulation 13A, the words "Financial Institution" shall be read as "Public Financial Institution".
2. In para 2(g) (i), in Form B, the figures "II/III/V" shall be read as "II/III/IV".

[F. No. SEBI/LE/2248/12/97]

D.R. MEHTA, Chairman

176 GL/97

